



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 180]

नई दिल्ली, बुहुस्पतिवार, अप्रैल 19, 2001/चैत्र 29, 1923

No. 180]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 19, 2001/CHAITRA 29, 1923



सङ्केत परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2001

सांकेतिका० 263 (अ).—भारत सरकार के सङ्केत परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना स० 221(अ), तारीख 28 मार्च, 2001 में, जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (1) में पृष्ठ स० 1 से 9 तक में प्रकाशित हुई थी,

(क) पृष्ठ 1 की पंक्ति 15 में “उप नियम (18)” के स्थान पर “उपनियम (18) तथा उपनियम (19)” पढ़ें,

(ख) पृष्ठ 3 की पंक्ति 29 व 30 में “आपूर्तिकर्ताओं को केन्द्रीय सरकार अनुमोदित करेगी” के स्थान पर “विनिर्माताओं को केन्द्रीय सङ्केत अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली या केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत कोई भी अभिकरण अनुमोदित करेगा” पढ़ें।

[फा० स० आर टी-11028/3/2000-एम बी एल]

आलोक राष्ट्र, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

CORRIGENDUM

New Delhi, the 19th April, 2001

G. S. R. 263 (E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Road Transport and Highways No. GSR 221 (E) dated the 28th March, 2001, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) at pages 10 to 22

- (a) At Page 10, in line 23, for “sub-rule (18)”, read “sub-rule (18) and sub-rule (19)”,
- (b) At Page, 20, in line 19, for “cycles and shall”, read “cycles and three-wheelers shall”

[F No RT-11028/3/2000-MVL]

ALOK RAWAT, Jt Secy

